



Barnebokker for Norge

barnebokker.no

वह दिन जब मैंने शहर के लिए घर छोड़ा / Den

dagen jeg dro hjemmefra for å dra til byen

Skrevet av: Lesley Koyi, Ursula Nafula

Illustrert av: Brian Wambi

Oversatt av: Nandani (hi), Espen Stranger-

Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebokker for Norge (barnebokker.no), som tilbyr barnebokker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons

[Navngivelse 4.0 Internasjonal Lisens.](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no)

<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no>



✎ Lesley Koyi, Ursula Nafula

🗉 Brian Wambi

📖 Nandani

💬 hindi / bokmål

|| nivå 3

Den dagen jeg dro hjemmefra for å
dra til byen

वह दिन जब मैंने शहर के लिए घर छोड़ा





मेरे गाँव का छोटा सा बस स्टैंड लोगों और भीड़-भाड़ वाली बसों से भरा रहता है। वह मैदान बहुत सारी चीजों से और भरा रहता है। कंडक्टर उस जगह का नाम चिल्लाते रहते हैं जहाँ बस जा रही होती है।

...

Den lille busstasjonen i landsbyen min var travel og stappfull av busser. På bakken var det flere ting som skulle lastes. Medhjelpere ropte navnene på stedene dit bussene gikk.

“Byeni Byeni Vestover!” hørte jeg en medhjælper rope.
Det var bussen jeg måtte ta.

...

“शहर:शहर:पशिम जा रहे है।” मैंने कन्वक्टर को चिन्ताते सुना। ये वही बस थी
जिसे मुझे पकड़ना था।





शहर जाने वाली बस लगभग भर चुकी थी, लेकिन और लोग इसमें जाने के लिए धक्के दे रहे थे। कुछ लोगों ने अपने सामान बस के अंदर रखे थे। और लोगों ने उसे अंदर बने तारखों पर रखा था।

...

Bussen til byen var nesten full, men flere folk dyttet for å komme om bord. Noen plasserte bagasjen sin i bagasjerommet under bussen. Andre la den på hyllene inne i bussen.



वापस जाने वाली बस जल्द ही भर गई। जल्द ही पूर्व की ओर चल दी। सबसे जरूरी मेरे लिए अभी था अपने चाचा के घर को ढूंढना।

...

Bussen som skulle tilbake ble fylt opp fort. Det viktigste for meg nå var å begynne å lete etter huset til onkelen min.

Nye passasjerer klatret seg til billettene sine mens de så etter et sted å sitte siden det var trangt om plassen. Kvinner med unge barn la til rette for dem så de skulle få det behagelig under den lange reisen.

...

नये यात्री अपना टिकट हाथों में दबाये, भीड़ वाली बस में बैठने के लिए जा रहे थे। औरते जो छोटे बच्चों के साथ थीं वे उन्हें इस तंबी याका के लिए सुरक्षापूर्ण बना रही थीं।



Ni timer senere våknet jeg av høyløytt banking og roping etter passasjerer som skulle tilbake til landsbyen min. Jeg grep fatt i den lille veska mi og hoppet ut av bussen.

...

नौ घंटे बाद, मैं जगा, जोर के पीटने और यात्रियों को बुलाने की आवाज से जो मेरे गाँव वापस जा रहे थे। मैंने अपना छोटा सा थैला उठाया और बस से बाहर निकल गया।

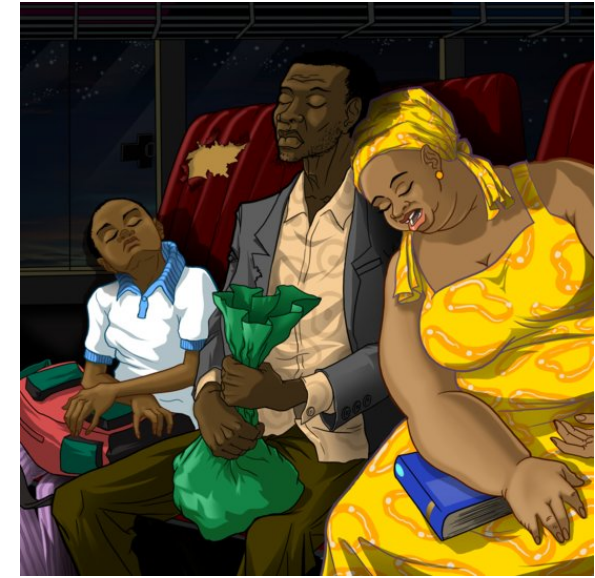




मैं एक खिड़की के बगल में घुस गया। मेरे बगल में बैठे हुए आदमी ने हरे रंग का प्लास्टिक बैग जोर से पकड़ रखा था। उसने पुरानी चप्पल, घिसा हुआ कोट पहना था और वह घबराया हुआ लग रहा था।

...

Jeg presset meg inn ved siden av et vindu. Personen som satt ved siden av meg holdt hardt om en grønn plastpose. Han hadde på seg gamle sandaler, en utslitt frakk, og han så nervøs ut.



रास्ते में, मैं उस जगह का नाम याद कर रहा था जहाँ मेरे चाचा उस बड़े शहर में रहते हैं। मैं नींद में भी वो नाम बड़बड़ा रहा था।

...

På veien lærte jeg meg utenat navnet på stedet i den store byen der onkelen min bodde. Jeg mumlet fortsatt da jeg falt i søvn.

Men tankene mine vandret hjem. Kommer moren min til å bli trygg? Kommer kaninene mine til å innbringe noen penger? Kommer broren min til å huske å vanne de nyutsprungne trærne mine?

...

लेकिन मेरा मन घर की चला गया। क्या मेरी माँ ठीक हिमी? क्या मेरे खरगोश की कुछ पैसे मिलेंगे? क्या मेरे भाई को उन पेंडी में पानी डालना याद रहेगा जो मैंने लगाये हैं?

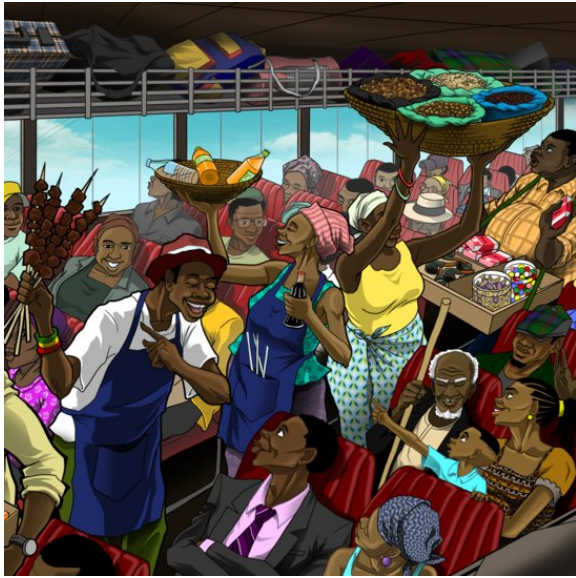


Jeg så ut av bussen og innså at jeg var i ferd med å forlate landsbyen min, stedet hvor jeg hadde vokst opp. Jeg skulle dra til den store byen.

...

बस से बाहर देखते हूँ मैंने ये महसूस किया कि मैं अपने गाँव को छोड़ रहा हूँ। उस जगह की जहाँ मैं बड़ा हुआ हूँ। मैं एक बड़े शहर में जा रहा था।





लोगों के चढ़ने का काम खत्म हुआ और सभी यात्री बैठ गए। फेरीवाले अभी भी बस में घुस रहे थे अपने सामान को यात्रियों को बेचने के लिये। सभी उन चीजों का नाम चिल्ला रहे थे जो उन्हें बेचनी थी। वे शब्द मुझे मजेदार लग रहे थे।

...

Lastingen av bagasjen var ferdig og alle passasjerene hadde satt seg. Gateselgere presset seg fortsatt inn i bussen for å selge varene sine til passasjerene. Alle ropte navnene på det de hadde til salgs. Jeg syntes ordene hørt merkelige ut.



जब यात्रा आगे बढ़ी, बस अंदर से काफी गर्म हो गयी। मैंने अपनी आँखों को बंद कर लिया सोने की आशा में।

...

Etter hvert som reisen fortsatte ble det veldig varmt i bussen. Jeg lukket øynene og håpet å få sove.

Idet bussen forlot busstasjonen, stirret jeg ut av vinduet. Jeg lurte på om jeg noensinne skulle komme tilbake til landsbyen min igjen.

...

जब बस ने स्टूट की छोड़ी, मैंने खिड़की से बाहर देखना शुरू किया। मैं सोचने लगा कि क्या कभी मैं अपने गाँव वापस जाऊँगा।



Noen få passasjerer kjøpte noe å drikke, andre kjøpte små snacks som de begynte å tygge på. De som ikke hadde noen penger, som jeg, bare så på.

...

कुछ यात्रियों ने पीने का समान लिया और लोग छोटा मोटा नास्ता ले आए और उसे खाना शुरू कर दिया। वे लिनक पास ऐसे नहीं थे, जैसे कि मैं, वे सब बस देख रहे थे।





ये सभी गतिविधियां बस के आवाज़ से बाधित हुई, यह एक संकेत था कि हम जाने के लिये तैयार हैं। कंडक्टर फेरीवालो पर चिल्लाया कि वे बस से बाहर जाएं।

...

Disse aktivitetene ble avbrutt av tutingen til bussen, et tegn på at vi var klare til å dra. En medhjelper ropte at gateselgerne måtte komme seg ut.



फेरीवाले एक दूसरे को धक्का दे रहे थे ताकि वे बस से बाहर जा सकें। कुछ यात्रियों को खुल्ले पैसे वापस लौटा रहे थे। दूसरे अंतिम समय में और सामान बेचने की कोशिश में लगे रहे।

...

Gateselgere dyttet hverandre for å komme seg ut av bussen. Noen ga tilbake vekslepenger til de reisende. Andre forsøkte i siste liten å selge noen flere varer.